

7, 2, 4. सर्वज्ञानिं ज्ञीयते er wird um Alles gebracht, kommt um Alles  
11, 3, 55. ÇAT. BR. 10, 5, 5, 8. 14, 4, 2, 23. Sch. zu KĀTJ. ÇR. 4, 11, 1. LĀTJ.  
10, 17, 7. — 3) जिनाति altern DĪRUP. 31, 29. न जिनाति तेजः HALĀJ. 9  
bei WEST. — Vgl. अज्ञीति, ज्ञीति, ज्य, ज्ञानि, ज्ञायंस्, ज्ञेय, ज्ञेष्ठ. — desid.  
जिज्ञ्यासति überwältigen —, unterdrücken wollen: अर्पेन्द्र द्विप्रतो मनो  
ऽप जिज्ञ्यासतो वधम् RV. 10, 152, 5. — intens. ज्ञेजीयते P. 6, 1, 16, Sch.  
— अघि s. u. जि mit अघि.  
— उप, उपज्ञाय P. 6, 1, 42, Sch.  
— परि = simpl. 1: तं ब्रह्म प्रपन्नं तत्रं न परिजिनाति AIT. BR. 7, 22.  
— Vgl. अपरिज्ञानि.  
— प्र, प्रज्ञाय VOP. 26, 217.

2. झा (= 1. झा) f. 1) Uebergewalt, βία; s. परमज्ञा. — 2) übermäs-  
sige Zumuthung, Ueberlast: तदाहुः । दश पितामहात्मोमपात्संख्याय प्र-  
सर्पेत् तद्वै झा द्वौ त्रीनित्येव पितामहात्मोमपान्विन्दति man sagt: es soll  
Einer vorgehen, wenn er zehn Somaopfernde Ahnen aufgezählt hat; —  
das ist eine Ueberlast, zwei oder drei solcher Ahnen etwa kann Einer  
aufstreiben ÇAT. BR. 5, 4, 5, 4.

3. झा f. Bogensehne, βίος NĪR. 9, 7. AK. 2, 8, 2, 53. TRĪK. 2, 8, 51. 3, 3, 312.  
H. 776. an. 1, 10. fg. MED. j. 2. RV. 6, 75, 3. 10, 51, 6. मृजधर्दस्मा अघ् कृत्तिपुण्यां  
कृशानुरस्ता 4, 27, 3. इक्ष्वाभि वि तनूभे आर्त्नी इव ज्योऽव AV. 1, 1, 1, 3. 5, 13,  
6. 6, 42, 1. VS. 16, 9. ÇAT. BR. 14, 1, 1, 8. धनुस्यां ऀÇV. GRHJ. 1, 14. KAUC. 37.  
RAGH. 3, 59. ज्यया च युयुत्से धनुः MBH. 1, 8193. वरिष्ठो ज्यविकर्षणे 3, 1387.  
धनुः — दृढयम् 4, 1669. अमृज्जनुषस्तस्य ज्याम् 161. झां वित्तिपत्तञ्च मका-  
धनुर्भ्यः DRAUP. 6, 25. झां विधुन्वन् R. 3, 34, 4. ँस्वन 5, 44, 2. ँनिनाद  
RAGH. 11, 15. अन्ववतधनुर्स्यास्फालन ÇĀK. 37. शिथिलज्यावन्धं धनुः 39. सं-  
कृतकार्मुकञ्च RAGH. 12, 103. चापम् — षट्दस्यम् MEGH. 72. (मेखला) तत्रि-  
पस्य तु मौर्वी झा M. 2, 42. ज्याघातवारण H. 776. Sehne in der Geom.  
COLBBR. Alg. 89. ज्यात्पत्ति derivation of [semi]-chords 324. झा = ज्यार्ध  
Sinus auch SÜRJAS. 2, 28. 3, 18. 4, 25. 11, 9. 13, 14. — Vgl. अघिज्य, उज्य, उ-  
तरज्या, एक०, क्रम०, क्रांति०, परमज्य, वि०, स०.

4. झा f. 1) die Erde AK. 2, 1, 2. TRĪK. 3, 3, 312. H. 936. H. an. 1, 10.  
fg. MED. j. 2. — 2) Mutter H. an. MED.

ज्याको f. = झा Bogensehne AV. 1, 2, 2. नभस्तामन्यकोषी ज्याका अघि  
धन्वंसु RV. 10, 133, 1.

ज्याकार् (झा + 1. कार्) m. Sehnenmacher VS. 30, 7.

ज्याघोष (झा + घोष) m. das Klingeln der Bogensehne (κλαγγή bei Homer):  
ज्याघोषा इन्द्रुभयो ऽभि क्रौशतु या दिशः AV. 5, 21, 9. Vgl. ज्यातलघोष  
MBH. 13, 7471.

ज्यान (von 1. झा) n. Bedrückung: पदीन्नूनं ब्रह्म ज्यानायाभिर्दृष्टौ ÇAT.  
BR. 4, 1, 2, 4.

ज्यानि (wie eben) f. Uṇ. 4, 49. P. 3, 3, 95, Vārt. 2. VOP. 26, 184. 1) Un-  
terdrückung; das um - Etwas - Kommen; vgl. सर्वज्ञानि. — 2) Ver-  
gänglichkeit; s. अज्ञानि. — 3) Gebrächlichkeit, Altersschwäche AK. 3,  
3, 9. H. 1523. MED. n. 7. ÇABDAR. im ÇKDR. VOP. 11, 2. — 4) das Auf-  
geben, Verlassen MED. ÇABDAR. — 5) Fluss MED. ÇABDAR.

ज्यापय्, ज्यापयति Jmd alt sein lassen, von Jmd berichten, dass er alt  
sei, SIDDH. K. 162, b, 4. Ein künstliches denom. von einem zu ज्यायंस् und  
ज्येष्ठ angenommenen positiv.

ज्यापार्श (झा + पाश) m. Bogensehne AV. 11, 10, 22. KAUC. 14. 29. झा-  
पार्शं धनुषस्तस्य — अघ्वतारयत् MBH. 4, 164.

ज्यापिण्ड (झा + पिण्ड) ein in Zahlen ausgedrückter Sinus SÜRJAS. 2,  
32. ँपिण्डक dass. 31. — Vgl. ज्यार्धपिण्ड.

ज्यामघ (झा + मघ) m. N. pr. des Vaters von Vidarbha HARIV. 1980.  
fgg. VP. 420. fgg. BāG. P. 9, 23, 33. fgg.

ज्याय् (von 3. झा), ज्यायते eine Bogensehne darstellen: ज्यायमान DA-  
ÇAK. 2, 15.

ज्यायंस् (von 1. झा mit dem suff. des compar.) adj. überlegen, mäch-  
tiger; vorzüglicher, grösser, stärker; älter (Gegens. कानीयंस्, अणीयंस्)  
P. 5, 3, 61. 62. 6, 4, 160. VOP. 7, 58. AK. 3, 4, 30, 237. 2, 6, 1, 43. H. 340.  
an. 2, 580. MED. s. 21. नकिरिन्द्रं बडुत्तरो न ज्यायो अस्ति RV. 4, 30, 1.  
6, 30, 4. मा ज्यायंसः शंसमा वृत्ति देवाः 1, 27, 13. स्वसा स्वत्रे ज्यायंस्यै पो-  
निमरिक् 124, 8. अमृतं पूर्वं वृषभो ज्यायान् 3, 38, 5. अस्ति ज्यायान्कनीयम  
उपारे 7, 86, 6. 20, 7. 32, 24. ज्यायो मक्तिवम् 9, 48, 5. दृतावीनस्य मक्तिमते  
ज्यायोश्च पूरुषुः 10, 39, 3. AV. 9, 2, 19. ज्यायो भागधेयम् TS. 1, 5, 2, 2. यज्ञ-  
क्रतु 5, 6, 2. अघ् च एवैष (der Mond) ज्यायानुदिति ÇAT. BR. 11, 1, 5, 4.  
1, 9, 4, 9. ज्यायंसमेव वधाञ्चक्रुः 3, 3, 4, 2. 6, 1, 3, 10. 10, 6, 3, 2. यस्मान्नाणी-  
यो न ज्यायो ऽस्ति किञ्चित् ÇVETĀÇV. UP. 3, 9. KHĀND. UP. 3, 14, 3. ज्यायंस-  
मनयोर्विद्याथस्य स्याच्छ्रेत्रियः पिता M. 3, 187. 4, 8. कुटुम्बार्थे ऽध्यधीना  
ऽपि व्यवहारे यमाचरेत् । — तं ज्यायान् विचालयेत् || der Mächtiger so v.  
a. der Herr 8, 167. अर्द्धं ज्यायानर्द्धं ज्यायान् MBH. 2, 2316. fg. प्रमध्य तु  
हतामाहुर्ज्यायसीम् (so ist zu lesen) 1, 4091. अनयोर्वीरियोर्द्वे को ज्यायान्  
9, 3247. 12, 8856. ज्यायान्गुणैरवरजो ऽप्यदितिः सुतानाम् BĀG. P. 2, 7, 17.  
कस्य ज्यायो फलं प्रोक्तम् MBH. 13, 3064. सत्त्वं ज्यायः 3, 13950. सत्याज्यायो  
ऽनृतं वचः 7, 8741. ज्यायसी चेत्कर्मणस्ते मता बुद्धिः BĀG. 3, 1, 8. न त्वेव  
ज्यायसी वृत्तिमभिमन्येत कार्द्विचित् eine höhere Lebensart M. 10, 95. in  
comp. mit einem nom. act., welches stets den Ton auf der ersten Silbe  
hat, P. 6, 2, 25. वचन० in der Rede überlegen Sch. älter: धातरः TBa. 2,  
6, 2, 1. पुत्राः AIT. BR. 7, 18. ऀÇV. GRHJ. 2, 3. BRĀDD. in Z. f. vgl. Spr. 1,  
442. M. 2, 133. 9, 115. 156. तज्यायान् dessen älterer Bruder AK. 2, 7, 55.  
In der Bed. des superl. der vorzüglichste, ausgezeichnetste RAGH. 18, 33.  
— Vgl. ज्येष्ठ.

ज्यायर्त्त (von ज्यायंस्) adj. grösser an Zahl (Gegens. कानीयस) ÇAT. BR.  
14, 4, 1, 1.

ज्यायस्वत् (wie eben) adj. einen Ueberlegenen, Mächtiger habend, —  
anerkennend: ज्यायस्वत्तश्चित्तिनो मा त्रि यौष्ठ AV. 3, 30, 5.

ज्यायिष्ठ (Nebenform zu ज्येष्ठ) adj. der vorzüglichste, vornehmste, erste,  
beste: किमिहानन्तरं कार्यं ज्यायिष्ठं तव रोचते MBH. 7, 3701. ज्येष्ठज्यायिष्ठ-  
भोगानो नाभिन्नः किं जनार्दनः HARIV. 7263.

ज्यार्ध (झा + अर्ध) m. der Sinus eines Bogens SÜRJAS. 2, 15.

ज्यार्धपिण्ड (झा + पिण्ड) ein in Zahlen ausgedrückter Sinus SÜR-  
JAS. 2, 16.

ज्यावाज (झा + वाज) adj. die Schnellkraft der Sehne habend: क्विन्व-  
त्पश्चमरणं न नित्यं ज्यावाजं परि पापत्याज्ञौ RV. 3, 53, 24.

ज्यावाणेय (von झा + वाण) m. pl. N. pr. eines Kriegerstammes; sg.  
ज्या० ein Fürst dieses Stammes; f. ई gāṇa योध्यादि zu P. 5, 3, 117.  
4, 1, 178.